A–0150

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BASL (N)-221

ज्योतिषशास्त्र के मूल सिद्धान्त

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ज्योतिषशास्त्र की वर्तमान में उपयोगिता का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2. फलदीपिका के अनुसार ग्रहों के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

3. पञ्चांग क्या है, सविस्तार वर्णन कीजिए।

4. विवाह के शुभ मुहूर्त व गुण-दोषों का सविस्तार वर्णन कीजिए।

5. अष्टकूट क्या है, इसका सविस्तार वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. संहिता स्कन्ध का परिचय दीजिए।

2. आचार्य आर्यभट्ट का कृतित्व परिचय दीजिए।

3. कर्क व सिंह राशि के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. चतुर्थ व दशम भाव से विचारणीय विषयों का वर्णन कीजिए।

5. लग्नेश का सप्तम से लेकर द्वादश भाव फलों को लिखिए।

6. नामकरण संस्कार के महत्व को समझाते हुए मुहूर्तों का वर्णन कीजिए।

7. वधु प्रवेश मुहूर्त में नक्षत्र शुद्धि का वर्णन कीजिए।

8. द्विरागमन में शुक्र विचार व शुक्र दोष का वर्णन कीजिए।

****